



ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्वर्षीय सचिव को विभाग ने दी विदायी समाप्ति प्रदान की। इस अवसरे पर गुरुवार को विभागीय सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के सभागार में आयोजित समारोह में अपर सचिव शैल प्रभाना कुमार, संयुक्त सचिव अवध प्रसाद, जितेंद्र कुमार देव, उप सचिव संजीव कुमार, प्रमोद कुमार, अवर सचिव चंद्रभूषण, अमरसंथ कुमार एवं अन्य पदाधिकारी/कर्मियों ने श्री सिन्हा को सेवानिवृत्ति के शुभकामनाएँ दी। विदाई समारोह के दौरान ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्वर्षीय सचिव, संयुक्त सचिव, उपसचिव, अवर सचिव, संदित अन्य पदाधिकारी/ कर्मियों ने श्री सिन्हा के साथ अपने कार्यान्वयन साझा किये। अवर सचिव श्री सिन्हा

1990 से सेवा की शुरूआत की। 33 वर्ष सेवा के पात्र थे सेवानिवृत्त हुए हैं। विदाई समारोह में श्री सिन्हा ने सेवाकाल के दौरान पदाधिकारी/कर्मियों के साथ बिताए क्षण को याद किया और अपने अनुबंध साझा किए। सेवानिवृत्त पर मिले सम्मान पर उड़ाने सभी को धन्यवाद दिया।

कमिटी ने किया दैरा

रांची। ज्ञारखंड हाई कोर्ट ने कहा है कि किसी बच्ची का लगातार वा बार-बार पौछा करना, घूसना या जबरन संपर्क करने की कोशिश करना भी यौन उत्पीड़न की श्रेणी में अने बाला अपराध है। ऐसा मामला प्रोटेक्टन अफ चार्चलूट प्रॉग्राम समसुअल ऑफिस (पॉक्सो) एक बार की घारा 11 (4) के तहत संज्ञिय है।

ज्ञारखंड हाई कोर्ट ने चतरा जिले की एक स्कूल छात्रों के बैन उत्पीड़न के आरोपी शिक्षक की जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह महत्वपूर्ण अदेश दिया है।

अरोपी शिक्षक राहुल यादव पर यह अरोप है कि वह स्कूल में पढ़ने वाली छात्रों से छेड़खानी करता था।

पॉक्सो ने स्कूल के प्रिंसिपल से इसकी शिकायत की तो शिक्षक को हिन्दूपटी थाना पहुंच कर मामले की जानकारी ली। इस कमिटी में उपाध्यक्ष गुलरेज अंसारी, महासचिव गुलाम जावेद, गुलाम रब्बानी, मंजूर आलम, बारीक अंसारी शामिल थे।

रांची। निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण को लेकर गोमिया से आजसू विधायक लंबोदर महोते से बात की। विधायक ने साफ कहा कि आजसू पार्टी पिछड़ी के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी। ओबीसी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसमें ज्ञारखंड सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण को लिए एक फॉर्मूला दिया गया था कि राज्य सरकार की ओर से कराया जायेगा। जबकि राज्य राज्य पिछड़ा अयोग कई वर्षों से नहीं है। ऐसे में ट्रिपल टेस्ट नहीं हुआ और एक तरह से राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को गुमार करने का काम किया। हामारी पार्टी फिर से कोर्ट का रुख करेगी।

क्या है ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला : राजसभा, विकास किशनपाल गवली के मामले में सुनवाई करने हुए सुप्रीम कोर्ट ने निकाय चुनावों के लिए एक फॉर्मूला दिया गया था। इसे ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला कहा जाता है। अरोपी शिक्षक को लिए एक आरोपी शिक्षक की जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह अदेश दिया गया। अरोपी शिक्षक राहुल यादव पर यह अरोप है कि वह स्कूल में पढ़ने वाली छात्रों से छेड़खानी करता था।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन की जानकारी दी जाए।

एक अच्छी कार्रवाई की गठन क

लातेहार जिले में वाहन जांच के नाम पर पुलिस की ज्यादती चरम पर, पक्ष-विपक्ष के नेता मौन, जनता बेबस व लाचार पुलिस द्वारा युवक को बेरहमी से पीटे जाने का मामला, युवक की स्थिति गंभीर

कोलियरी में घलने वाले हाईवा की चपेट में आने से कई लोग गवां चुके हैं जान, नहीं होती उनकी जांच, प्रशासन की कार्यशैली सवालों के धेरे में

राजेश प्रायाद

लातेहार। सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के नाम पर विगत एक माह से लातेहार जिला प्रशासन के द्वारा पुरे जिले में सघन वाहन चेकिंग अधियान चला रही है, जो सराहनीय कदम है लेकिन अधियान के दौरान प्रशासन के द्वारा खास तौर पर बाईंकों को निशाना बनाया जा रहा है। अधियान के क्रम में एक माह के दौरान जिले के कई स्थानों पर पुलिस की ज्यादती व अभद्रता का मामला लगातार सामने आ रहा है। जो लातेहार पुलिस के सामुदायिक काम कर रही है। आम लोगों का आरोप है कि जांच के नाम पर गर्भवती महिलाओं, बुज्जों के साथ भी कोई रहम नहीं दिखा रही है। ताजा मामला लातेहार सदर प्रखड़ से आया है, जहां बुधवार 3 जनवरी को वाहन जांच के दौरान लातेहार के एक युवक साथ बीच चौक पर अलां अधिकारी की मौजूदगी में पुलिस के द्वारा पिटाई से घायक हुआ युवक।



पुलिस की पिटाई से घायक हुआ युवक।

पिटाई से घायक युवक प्रांगत कुमार उपाध्याय पिटा प्रमोद उपाध्याय (बानपुर लातेहार) ने खबर मन्त्र के साथ बालचीन में पुलिस की बर्बरता की कहानी बतायी जो उनके दर्द व पुलिस की बर्बरता को वर्णन करती है। अप्रांगत कुमार उपाध्याय ने बताया कि उनका अपराध सिर्फ इनाम था कि वह एक युवक के साथ बाईंक पर पीछे बैठा था, बाईंक चला रहा युवक हेल्पेट पहना था, लेकिन वर्तमान में जो स्थिति दिख रही है वह सामुदायिक पुलिसिंग पर बट्टा लगाने का काम कर रही है। एक और पुलिस के जवान व अधिकारी खुद परिवहन नियमों के अनुचितवाले उड़ाते हैं व बिना हेल्पेट के बुमते देखे जाते हैं, उन्हें कोई नहीं रोकता है, जिसके बाद जवान उसे पिटने लगे, जिसका वर्णन किया तो भौजुड़ पुलिस चारों ओर से खेरक राम प्रायोपट उक्सने का अधिकारी युलिस को फिरने दिया है, जिसके बाद मौजूद पुलिस के पदाधिकारी उसे पकड़कर थाने ले गये व थाना में बंद कर उसके साथ लाठी से बेरहमी से पिटाई की गयी। लगभग साढ़े चार घंटे थाने में रखने व पिटाई करने के बाद रात्रि लगभग 10 बजे उसे उसके हाल पर पुलिस के द्वारा छोड़ दिया गया, जिसके बाद वह जैसे-जैसे भर पहुंचा, भर पहुंचने के बाद प्रांगत को साथ लेने में तकलिफ होने के बाद परिजन उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे जो हांग्रीस्थिमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुये बेरहम इलाज के लिए रिस्म रेफर कर दिया, जहां उक्सन का उपचार चल रहा है, युवकोंगी ने बताया कि डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुये तकाल रिस्म में इडमिट होने की बात कही है।



वालान काटने को लेकर परिवहन कार्यालय में जमा लोगों की भीड़।

विभाग के अधिकारी कार्यालय में बैठे काट रहे चालान, कोर्ट व विभाग के कार्यालय का चक्कर काट रही है आम जनता

आस पास के जिले में नहीं है पुलिस की इतनी सख्ती

पुलिस की बर्बरता की कहानी भुक्तभोगी की जुबानी

पिटाई से घायक युवक प्रांगत कुमार उपाध्याय पिटा प्रमोद उपाध्याय (बानपुर लातेहार) ने खबर मन्त्र के साथ बालचीन में पुलिस की बर्बरता की कहानी बतायी जो उनके दर्द व पुलिस की बर्बरता को वर्णन करती है। अम लोगों ने आरोप लगाते हुये कहा कि एक और सामुदायिक पुलिसिंग चलाकर आम जनता के साथ मैरी पूर्ण संबंध स्थापित करने का दावा करती है, लेकिन वर्तमान में जो स्थिति दिख रही है वह सामुदायिक पुलिसिंग पर बट्टा लगाने का काम कर रही है। एक और पुलिस के जवान व अधिकारी खुद परिवहन नियमों के अनुचितवाले उड़ाते हैं व बिना हेल्पेट के बुमते देखे जाते हैं, उन्हें कोई नहीं रोकता है, लेकिन अधिकारी बिना सिलेंटेंट के चार परिवहन जान में धमते हैं ताकि उन्हें नहीं रोकता है।

पुलिस हेल्पेट चेकिंग के नाम पर ज्यादती बंद करें : प्रतुल शाहदेव

भाजा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने लातेहार पुलिस के द्वारा हेल्पेट नहीं पहनने पर लोगों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों को गंभीरता से लिया है प्रतुल ने कहा कि देखने की बात चौक पर पिटाई करने के बाद जवान को अधिकारी युलिस को फिरने दिया है, जिसके बाद मौजूद पुलिस के पदाधिकारी उसे पकड़कर थाने ले गये व थाना में बंद कर उसके साथ लाठी से बेरहमी से पिटाई की गयी। लगभग साढ़े चार घंटे थाने में रखने व पिटाई करने के बाद रात्रि लगभग 10 बजे उसे उसके हाल पर पुलिस के द्वारा छोड़ दिया गया, जिसके बाद वह जैसे-जैसे भर पहुंचने के बाद प्रांगत को साथ लेने में तकलिफ होने के बाद परिजन उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे जो हांग्रीस्थिमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुये बेरहम इलाज के लिए रिस्म रेफर कर दिया, जहां उक्सन का उपचार चल रहा है, युवकोंगी ने बताया कि डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुये तकाल रिस्म में इडमिट होने की बात कही है।

पुलिस की बर्बरता, ज्यादती के खिलाफ सता पक्ष व विपक्ष के नेता मौन जनता जायेतो जो जायेतो कहाँ

एक और जिले में वाहन जांच के दौरान पुलिस के द्वारा आम जनता के साथ दुर्व्यवहार, ज्यादती व अपराधपर्याप्त करने के विरोध में न तो कोई जन प्रतिनिधि व न ही पक्ष-विपक्ष के नेता कुछ बोल रहे हैं। ऐसे में आम जनता अपने आप को असाधारण व कमज़ोर देख रहा है। सब कुछ देखते हुये भी सभी की चुप्पी जनता के बीच रोध का कारण बन रहा है।

फाइन काटने का हफ पुलिस के पास है, डंडा चलाने का बिल्कुल नहीं

प्रतुल ने कहा कि देख कानून से लगता है लाठी डंडे से नहीं। प्रतुल ने कहा कि हेल्पेट चेकिंग अधियान का स्वामरण है। इस से आम लोगों के सर की हिफाजत होती है लेकिन हेल्पेट चेकिंग के नाम पर पुलिस की बर्बरता का विरोध होता है।

प्रतुल ने कहा कि देख कानून से लगता है लाठी डंडे से नहीं। प्रतुल ने कहा कि हेल्पेट चेकिंग अधियान का स्वामरण है। इस से आम लोगों के सर की हिफाजत होती है लेकिन हेल्पेट चेकिंग के नाम पर पुलिस की बर्बरता का विरोध होता है।

पुलिस की बर्बरता, ज्यादती के खिलाफ सता पक्ष व विपक्ष के नेता मौन जनता जायेतो जो जायेतो कहाँ

एक और जिले में वाहन जांच के दौरान पुलिस के द्वारा आम जनता का कहना है कि यदि हम गलती कर रहे हैं तो हम फाईन भरने के हककर है लेकिन फाईन के नाम पर जिला प्रशासन के द्वारा परेशान करना ये गलत है, हम सभी इसका विरोध करते हैं। यदि कोई आग्रह चालान की जांच में दिखा रही है अगर उतनी सख्ती अपराध व उपचार नियंत्रण पर लगाती तो शायद जिला अपराध नियंत्रण में पहले स्थान पर रहती व जिले में अपराध में कमी दिखती।

मामले में क्या कहते हैं लातेहार उपायुक्त हिमांशु मोहन

मामले को लेकर खबर मन्त्र के द्वारा उपायुक्त हिमांशु मोहन से पुछे जाने पर उपायुक्त ने भी घटना को लेकर खेद जताते हुये कहा कि ऐसी सुचना की जिला के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जा रहा है। जिसके बाद मामले को लेकर 11 जनवरी को बैठक बुलायी है। जिसमें आम जनों के साथ घटित हो रहे मामलों को लेकर गंभीरता से चर्चा की जायेगी।

कोलियरी में घलने वाले हाईवा की चपेट में आने से कई लोग गवां चुके हैं जान, नहीं होती जांच

लोगों ने बताया कि बालमाथ, चंदवा, लातेहार जिले में संचालित कोलियरीयों में घलने वाले बैठे वाहनों व हाइवा के चपेट में आने से कई गरीब जान गवां चुके हैं, लेकिन पुलिस उन वाहनों की जांच नहीं करते हैं, ब्यौरिक बैठे वाहन बैठे व्यवसायी व राजनीतिक सुखदार लोगों के होते हैं। इसीलिए प्रशासन उत और नजर भी उठाकर नहीं देखती है। पुलिस का डंडा सिरक गरीब लोगों पर ही चलता है। जिनता सख्ती पुलिस वाहन जांच में दिखा रही है अगर उतनी सख्ती अपराध व उपचार नियंत्रण पर लगाती तो शायद जिला अपराध नियंत्रण में पहले स्थान पर रहती व जिले में अपराध में कमी दिखती।



चौक पर युवक के साथ दुर्व्यवहार करती पुलिस व लगा मजमा।

एक माह से चल रहा है अभियान पर डिजिटल इंडिया के दौर में भी ऑन द सॉट व ऑन लाईन काटने की कोई व्यवस्था नहीं



बता दें कि लातेहार जिले के पड़ोसी जिले पर लगता है लाठी डंडे से नहीं। प्रतुल ने कहा कि देख कानून से लगता है लाठी डंडे से नहीं। प्रतुल ने कहा कि हेल्पेट चेकिंग अधियान का स्वामरण है। इस से आम लोगों के सर की हिफाजत होती है लेकिन हेल्पेट चेकिंग के नाम पर पुलिस की बर्बरता का विरोध होता है।

पकड़े जाने वाले बाईंकों की सिध्धे जब्त कर रही है। जब्त करने

